वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 330 | गुरुवार 30 मार्च 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जयपुर में डॉक्टरों ने पॉलिश किए जूते, प्याज भी बेची

डॉक्टरों ने सड़कों पर ठेले लगाकर ज्यूस और फल-सब्जी बेची, बोले- इसके अलावा कोई ऑप्शन नहीं

जयपुर. कासं

जयपुर में आज मरीजों का इलाज कराने वाले डॉक्टर सड़क पर सब्जी बेचते और जूते पॉलिश करते नजर आए। कोई गन्ने का जूस बेच रहा था तो कोई चार्जिंग केबल बेच रहा था। दरअसल, डॉक्टर राइट टू हेल्थ बिल के विरोध में प्रदर्शन कर रहे थे। डॉक्टर ने रैली की शुरूआत दिन के 12 बजे एसएमएस मेडिकल कॉलेज से शुरू की। जो त्रिमूर्ति सर्किल होते हुए वापिस एसएमएस मेडिकल कॉलेज के गेट पर समाप्त हुई। जो कुल 2 घंटे चली। डॉक्टरों का कहना था कि राजस्थान सरकार ने हमें कहीं का नहीं छोड़ा। जब हमारे हॉस्पिटल हीं नहीं होंगे। हम करेंगे क्या। हमारे पास सब्जी बेचने के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं है। मुख्यमंत्री जी कह रहे हैं की हर पेशेंट को फ्री में देखो, चार्ज हम देंगे। 6 महीने बाद उसका 10% ही मिलेगा। विरोध प्रदर्शन के दौरान डॉक्टर्स ने सरकार के खिलाफ नारे लगाए। लोगों को जूस भी पिलाते रहे। डॉक्टरों का एक स्वर से यही कहना था- हम अस्पताल बंद कर देंगे, लेकिन आरटीएच कानून लागू नहीं होने देंगे। जब तक सरकार इसे वापस नहीं ले लेती है। तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। आए दिन सरकार निजी अस्पतालों के लिए कोई न कोई कानून ले आती है। पहले से ही राजस्थान में चिरंजीवी योजना चल ही रही है। फिर इस बिल की आवश्यकता क्यों? हम

सरकार के इस काले कानून के सामने नहीं झुकेंगे। फोर्टिस हॉस्पिटल के न्यूरोसर्जन डॉक्टर संकल्प भारतीय ने विरोध के दौरान सड़कों पर बैठ कर जूते पोलिश की। इस दौरान उन्होंने कहा- अब हॉस्पिटल बंद हो जाएंगे क्योंकि चिकित्सा मंत्री कह रहे है कि जो करना है करें, अस्पतालों पर ताला लगाएं। घर चले जाएं। जो बहुत ही सवेंदनहीन स्टेटमेंट है। हम बात करने को तैयार हैं, लेकिन ऐसा हकीकत में नहीं है। उनका तो ये कहना है कि ये बिल किसी भी हालत में वापस नहीं होगा।

हम सेवा कर रहे, कोई नाराज हो या खुश हो इससे फर्क नहीं पड़ता

एसएमएस हॉस्पिटल की इमरजेंसी में सेवा दे रहे इमरजेंसी मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. बी एल मीणा ने कहा- हमारी पूरी टीम अपना काम कर रही है। किसी भी पेशेंट को कोई समस्या न हो इसका पूरा ध्यान रखा जा रहा है। राइट टू हेल्थ बिल के प्रदर्शन पर उनका कहना था कि हम सरकार की सैलरी ले रहे हैं। आमजन की पूरी सेवा और समर्पण से लगे हैं। कोई नाराज होता है। खुश होता है। इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता है। हम अपना धर्म निभा रहे हैं और यही सबसे जरूरी है।

विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर सिद्ध क्षेत्र में सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान आनन्द पूर्वक संपन्न हुआ

सम्मेदशिखर. शाबाश इंडिया

विश्व प्रसिद्ध जैन तीर्थ श्री सम्मेद शिखर सिद्ध क्षेत्र में सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान आनन्द पूर्वक संपन्न हुआ। पिड़ावा जैन समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि सकल दिगम्बर जैन समाज पिड़ावा की श्राविका श्रीमति मंगला बहिन अध्यापिका की गत पांच वर्षों से मंगल भावना थी की सिद्ध क्षेत्र में वह सिद्ध चक्र महा मण्डल विधान कराने की और उन्होंने परिवार के70श्रावक श्राविकाओं को ले जाकर 24मार्च को झण्डारोहण कर श्री सिद्धचक्र महा मंडल विधान किया जो की 29 मार्च को आनन्द, उत्साह, भक्ति भाव के साथ समारोह पूर्वक संपन्न हुआ आयोजक परिवार बहिन मंगला जी अध्यापिका ने बताया की पंडित वीरेंद्र जी शास्त्री एवं विदुषी बहन मंजू दीदी के कुशल नेतुत्व में किया गया। संकलनः अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी।

गुरुवार को होगा आचार्य भरत सागर जी महाराज का 75 वां और नवीन नंदी गुरुदेव का 46 वां जन्म जयंती समारोह

दहमीं कलां मे होगा आयोजन

बगरू. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री नवीननंदीजी मुनिराज सानिध्य में प्राचीन ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर मे आचार्य श्री भरत सागर जी गुरुवर की 75 वीं एवं दहमीं कलां, बगरू में विराजमान आचार्यश्री नवीन नंदी जी महाराज जी की 46 वी जन्मजयंती मनाई जायेगी। मंत्री प्रमोद बाकलीवाल व संगठन मंत्री गौरव जैन ने बताया इस शुभ अवसर पर प्रातः 7.00 अभिषेक शांति धारा 8.00 बजें 48 दीपो भक्तामर विधान महा अर्चना व दीपोत्सव सायं 7.00 बजें आचार्य श्री की आरती भक्तामर पाठ, नमोकार मंत्र जाप 7.30 भजन संध्या, एवं ग्राम वासियों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन पहली बार होगा।

राजस्थान जैन साहित्य परिषद की नई कार्यकारिणी का गठन एवं मासिक संगोष्ठी संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर की प्राचीनतम संस्था ''राजस्थान जैन साहित्य परिषद'' जिसका बीजारोपण पंडित श्री चैनसुख दास जी न्यायतीर्थ ने किया था जो आज विशाल वटवृक्ष बनकर फल फूल रहा है। गत दिवस में अनिल जैन मधुबन कोलोनी ने चुनाव अधिकारी के रूप में संस्था के पदाधिकारी एवं सदस्यों का चुनाव संपन्न कराया। डॉ विमल कुमार जैन अध्यक्ष , हीराचंद वैद मंत्री, सुदर्शन जी पाटनी उपाध्यक्ष , रमेश कुमार जैन गंगवाल संयुक्त मंत्री, तथा अर्थ मंत्री के रूप में नरेंद्र ठोलिया सर्वसम्मति से निर्वाचित हुए। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त मन्त्री रमेश गंगवाल ने बताया कि कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में श्री महावीर कुमार चांदवाड ,प्रद्युमन पाटनी ताराचंद रांवका ,कैलाश चंद बिन्दायक्या, पदमचंद बिलाला, योगेश टोडरका चुने गए।इस नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह श्री दिगंबर जैन मंदिर सांगाकान में मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं वरिष्ठ सदस्य सत्येंद्र आंधीका के द्वारा देव शास्त्र गुरु को साक्षी मानकर संपन्न कराया गया। शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात मासिक गोष्ठी का कार्यक्रम हुआ ,मासिक गोष्ठी का विषय था ''**जैन दर्शन में चार अभाव**'' इस विषय पर विद्वान महानुभाव कैलाश चंद मलैया एवं चंद्रप्रभा दीदी ने मंगल उद्बोधन के द्वारा समाज बंधुओं को श्रवण कराया। धर्म सभा के अंत में संस्था के अध्यक्ष डॉ विमल कुमार जैन ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में विद्वान महानुभावों का परिचय देते हुए संस्था की आगामी गतिविधियों पर प्रकाश डाला। मासिक गोष्ठी के संयोजक महावीर कुमार चांदवाड थे संस्थान के मंत्री हीराचंद वैद ने सभी पधारें हुए महानुभावों एवं विद्वान महानुभावों का और मंदिर प्रबंध समिति का आभार व्यक्त किया।

-रमेश गंगवाल

सिद्धचक्र महामंडल विधान में भक्ति भाव से झूमे श्रद्धालु

ध्यान के बिना कार्य सिद्धि नहीं : आचार्य विनिश्चयसागर

ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ विकासखंड महरौनी में मनोकामना अतिशयकारी अरनाथ भगवान की छत्रछाया में आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज ससंघ एवं आचार्य श्री विबुद्ध सागर जी महाराज ससंघ सान्निध्य में ब्र. जय कुमार जी निशांत भैया के निर्देशन में आठ दिवसीय सिद्धार्चना का अनुष्ठान विधि-विधान के साथ चल रही है। जिसमें भक्ति की बयार अपूर्व धर्म प्रभावना के साथ बह रही है। आयोजन में धर्मसभा को संबोधित करते हुए वाक केशरी, आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज ने कहा कि मानव सिद्धत्व का बीज है, मानव में सिद्धत्व के सभी गुण विद्यमान हैं, अन्तर इतना है सिद्धों ने प्राप्त कर लिए है और हमें अभी प्राप्त करना है। सिद्धत्व प्राप्त करने के लिए ध्यान अनिवार्य है, ध्यान के लिए मन, वचन और कार्य की एकाग्रता अनिवार्य है। श्रावक आर्त एवं रौद्र ध्यान करके कर्मों को आमंत्रित करता है, श्रमण धर्म ध्यान और शुक्ल ध्यान द्वारा कर्म क्षय करते हैं। श्रावक भी आर्त-रौद्र परिणामों से छुटकारा प्राप्त कर सकता है। यदि समग्र चेतना से ध्यान का सतत अभ्यास किया जाये तो श्रावक स्वयं की दुश्चिंताओं, आधि एवं व्याधियों के छुटकारा प्राप्त करने के साथ अन्य को भी लाभान्वित कर सकता है। कमेटी के प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय ललितपुर ने बताया कि प्रातः बेला में मूलनायक अरनाथ भगवान के समक्ष श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा, नित्य नियम पूजा, सिद्धचक्र महामंडल विधान का पूजन किया गया। विधान के मंडल पर मंत्रोच्चारण पूर्वक विधान के अर्घ्य समर्पित किए गए। विधान के पुण्यार्जक श्रीमती आशा जैन राजगढ़ दिल्ली एवं इंद्र-इंद्राणियों ने सभी मांगलिक क्रियाएं संपादित की। महामंत्री वीरचन्द्र जैन ने आभार व्यक्त किया। आचार्यश्री व विद्वानों ने किया प्रागैतिहासिक साक्ष्यों का अवलोकन प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में आयोजित सिद्धार्चना में आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज ससंघ आचार्य श्री विबुद्ध सागर जी निदेशक ब्रह्मचारी जय कुमार निशांत, ख्याति प्राप्त प्रतिष्ठाचार्य पंडित सनत कुमार विनोद कुमार जी रजवास पंडित श्री सुरेंद्र कुमार जी बड़ागांव पंडित श्री अजीत कुमार जी वैद्य रमेश कुमार जी ने आज का विधान संपन्न कराया इसके बाद नवागढ़ में पहाड़ी पर स्थित प्रागैतिहासिक साक्ष्यों का अवलोकन आचार्यश्री ससंघ एवं विद्वानों ने किया। आचार्यश्री ने नवागढ़ के प्रगैतिहासिक साक्ष्यों का दिग्दर्शन किया, पहाड़ी पर चट्टान पर स्थित प्रशस्ति एवं यहां भग्नावशेष के रूप में प्राप्त ईटों का दिग्दर्शन किया। आचार्यश्री ने इस क्षेत्र को विशाल नगर के रूप में बताया। नवागढ़ क्षेत्र को अमूल्य धरोहर बताया तथा इसके संरक्षण का आव्हान किया। आयोजन में श्री प्रबंधकारिणी समिति प्रागैतिहासिक अतिशय क्षेत्र नवागढ़, श्री नवागढ़ गुरुकुलम् कार्यकारिणी समिति ने समागत अतिथियों का स्वागत किया।

चैत्र नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर वैदिक धर्म संस्थान, आर्ट ऑफ लिविंग राजस्थान की ओर से 28 और 29 मार्च 2023 को श्री श्री रविशंकर आश्रम, जयपुर में चैत्र नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया। 28 मार्च को सांय 6 से 8 बजे कलश स्थापना, सप्तशती पारायण,सत्संग,गरबा और प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए भक्तों ने हिस्सा लिया। 29 मार्च

2023 को प्रातः 7:30 बजे सामूहिक संकल्प से कार्यक्रम आरंभ हुआ फिर पुण्यवाचन, गणपति पूजा,अध्याय होम एवं चंडी होम हुआ । कन्यापूजन एवं पूर्णाहुति 1:30बजे तक हुई। आर्ट ऑफ लिविंग वैदिक धर्म संस्थान की कोऑर्डिनेटर श्रीमती सुनीता राठौर जी ने बताया कि इस पावन पवित्र महायज्ञ में 100 से अधिक भक्तों ने आनंद लिया। पूजाएं स्वामी विश्वेश्वरा जी एवं बैंगलोर आश्रम से पधारे वैदिक पंडितों द्वारा संपन्न की गई। लगातार सुमधुर दिव्य भजनों से शंकर हेमराजानी जी एवं स्वाति त्रिवेदी जी ने वातावरण को देवी भक्ति से सराबोर कर दिया।

वेद ज्ञान

परिवर्तन से भयभीत न हों...

हर इंसान परिवर्तन से भयभीत होता है। कुछ लोगों को जिंदगी में अचानक आने वाले बदलाव डरा देते हैं। ऐसे लोगों के मन में कुछ इस तरह के सवाल चलते रहते हैं कि क्या होगा अगर नौकरी पर कोई आंच आ गई? क्या होगा अगर जीवनसाथी छोड़ कर चला गया? क्या होगा परीक्षाओं में उत्तीर्ण नहीं हुआ तो? क्या होगा व्यापार ठप हो गया तो? क्या होगा अगर सपना, सपना ही रह गया तो? निराशा और भय की ये स्थितियां सफलता की सबसे बड़ी बाधा होती हैं। हमें विश्वास नहीं खोना चाहिए। जब हम कुछ करने की ठानते हैं तो सफलता ही मिले, यह जरूरी नहीं। देरी होती है, चुनौतियां भी खड़ी होती हैं और कई बार सब करने पर भी निराशा मिलती है। हम अपनी ही सोच और क्षमताओं पर संदेह करने लगते हैं। ऐसा लगता है कि अब कुछ नहीं हो सकता। लेखिका एलेक्जेंड्रा फ्रेंजन कहती हैं, अगर दिल धड़क रहा है, फेफड़े सांस ले रहे हैं और आप जिंदा हैं तो कोई भी भला, रचनात्मक और खुशी देने वाला काम करने में देरी नहीं हुई है। इसलिए हम में विश्वास होना चाहिए कि एक न एक दिन हम हर तूफान को पार कर लेंगे और पहले से बेहतर स्थिति में पहुंच जाएंगे। इंसान की विडंबना है कि वह खुद से ही ठगा जाता है। प्रमाद और अज्ञानता की वजह से मन की मूढ़ता हर चौराहे पर इसलिए ठगी जाती है कि वह सत्य को पहचान नहीं सकी। वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन कहते हैं, 'जीने के केवल दो ही तरीके हैं। पहला यह मानना कि कोई चमत्कार नहीं होता है और दूसरा कि हर वस्तु एक चमत्कार है।' रॉबर्ट जे. कॉलियर कहते हैं, 'सफलता छोटे-छोटे कई प्रयासों का नतीजा होती है, जिन्हें कई दिनों तक बार-बार दोहराया जाता है।' अगर आप एक के बाद एक कदम उठाते रहें, जरूरत के हिसाब से बदलते रहें तो मंजिल तक जरूर पहुंचेंगे। जीवन में चाहे कितनी उदासियां क्यों न आएं, मुस्कराहट के फूल खिलाते रहिए। अपने धैर्य को, अपनी शक्ति को और आपने विश्वास को मत टूटने दीजिए। किसी भी प्रकार की परिस्थिति क्यों न आए आप अपने-आप में संतुलन बनाए रखिए। यह दुनिया का सबसे बड़ा सत्य है कि आपसे ज्यादा आपको कोई नहीं समझ सकता है।

संपादकीय

जांच एजंसियों के दुरुपयोग का मामला सर्वोच्च न्यायालय में

अब केंद्रीय जांच एजंसियों के कथित दुरुपयोग का मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच गया है। चौदह विपक्षी दलों ने मिल कर इससे संबंधित याचिका दायर की है। इन दलों ने अदालत के समक्ष गुहार लगाई है कि गिरफ्तारी और हिरासत को लेकर केंद्रीय जांच एजंसियों के लिए दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। हालांकि इसके पहले भी इसे लेकर कुछ व्यक्तिगत याचिकाएं दायर की गई थीं, जिन पर सर्वोच्च न्यायालय ने कोई दिशा-निर्देश देने के बजाय केवल टिप्पणी करके टाल दिया था। अब चौदह विपक्षी दल इसे लेकर एकजुट हुए हैं, तो सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली है। इस तरह अब विपक्षी दल जो बाहर बयान दिया करते थे कि उन्हें सबक सिखाने के इरादे से सरकार केंद्रीय एजंसियों का दुरुपयोग कर रही है, वे अब सर्वोच्च न्यायालय के संवैधानिक दिशा-निर्देश का इंतजार करेंगे। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले कुछ सालों में भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के

मकसद से जांच एजंसियां काफी सक्रिय नजर आने लगी हैं, शायद उन्हें मुक्तहस्त भी किया गया है, जिसके चलते लगातार छापे पड़ रहे और भ्रष्टाचार के मामलों में जांचें तेज हो गई हैं। मगर खुद जांच एजंसियों की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक छापों और कार्रवाइयों की तुलना में दोषियों की पहचान बहुत कम हो पाई है। महज चार से पांच फीसद मामलों में दोष सिद्ध हुए हैं। बाकी में लोगों को नाहक परेशानी और बदनामी उठानी पड़ी है। ऐसे में विपक्षी दलों की नाराजगी निराधार नहीं कही जा सकती। फिर यह भी स्पष्ट है कि केवल विपक्षी दलों के नेताओं के खिलाफ जांच एजंसियों का शिकंजा कसता है। उन नेताओं के मामलों में जांचें ठंडे बस्ते में डाल दी गई, जो पहले विपक्ष में थे, मगर फिर सत्तापक्ष में आ गए। विपक्षी पार्टियां उन नेताओं के नाम की सूची जारी करती रही हैं। सार्वजनिक मंचों से उनके नाम लेकर सवाल पूछती रही हैं कि अमुक अमुक के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं होती। दरअसल, जांच एजंसियों के खिलाफ विपक्षी दलों में एकजुटता दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद शुरू हुई। सारे दलों ने उसका विरोध किया था। यह भी देखा गया है कि भ्रष्टाचार, धन शोधन या फिर कर चोरी के मामले में जांच एजंसियां अपने दायरे के बाहर चली जाती हैं। जिन मामलों में आयकर विभाग को जांच करनी चाहिए, उनमें भी प्रवर्तन निदेशालय जांच शुरू कर देता है। फिर पुख्ता सबूतों के अभाव में भी कई लोगों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय पहले ही कह चुका है कि जांच एजंसियों को उनके काम से रोका नहीं जा सकता। धन शोधन और आयकर चोरी से जुड़े मामले अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद से संबंधित भी हो सकते हैं। फिर उन्हें जांच से रोक कर एक तरह से भ्रष्टाचार के मामलों को बढ़ावा देना होगा। मगर ताजा याचिका विशेष रूप से जांच एजंसियों के कामकाज के तरीके को लेकर दायर की गई है, जिसमें वे मनमानी ढंग से गिरफ्तारियां करती, हिरासत में लेतीं और फिर लोगों को नाहक प्रताड़ित करती हैं। उनके कामकाज के तरीके और लक्ष्य बना कर छापे डालने आदि से स्पष्ट होता है कि वे केंद्र सरकार के इरादे के अनुरूप काम कर रही हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

गुम होती संवेदना

झारखंड में एक बच्चे को जन्म देने के तुरंत बाद कथित रूप से बेच दिए जाने की घटना को प्रथम दृष्टया मां की संवेदनहीनता और ममता के कारोबार के रूप में देखा जा सकता है। लेकिन ऐसी घटनाएं कई बार परतों में गुंथी होती हैं और उसमें समाज, परंपरागत धारणाएं, गरीबी और विवशता से लेकर आपराधिक संजाल तक के अलग-अलग पहलू शामिल होते हैं। झारखंड के चतरा में जिस बच्चे को साढ़े चार लाख रुपए में बेचे जाने की खबर आई, उसमें मां के हाथ में एक लाख रुपए आए। बाकी के साढ़े तीन लाख रुपए बिचौलियों या दलालों के हाथ लगे। चूंकि इसकी सूचना पुलिस तक पहुंच गई और समय रहते सक्रियता भी दिखी, इसलिए बच्चे को बरामद कर लिया गया और कई आरोपी पकड़े गए। बच्चे को बेचे और खरीदे जाने में जितने लोग, जिस तरह शामिल थे, उससे साफ है कि इसे सोच-समझ कर अंजाम दिया गया। निश्चित रूप से इस मामले में मां की ममता कठघरे में है, मगर कई बार अपने ही बच्चे के बदले पैसा लेने की नौबत आने में हालात भी जिम्मेदार होते हैं। वरना अपने बच्चे का सौदा करना किसी मां के लिए इतना आसान नहीं होता है। हालांकि यह कोई पहला मामला नहीं है, जिसमें बच्चे की बिक्री मां के हाथों ही होने की घटना सामने आई हो। झारखंड और ओड़ीशा के गरीब इलाकों से अक्सर ऐसी खबरें आती रहती हैं, जिनमें कुछ हजार रुपए के लिए ही बच्चे को किसी के हवाले कर दिया जाता है। सवाल है कि बच्चे को बेचने के पीछे क्या कारण होते हैं, उनके खरीदार कौन होते हैं और ऐसी सौदेबाजी को आमतौर पर एक संगठित गतिविधि के रूप में क्यों अंजाम दिया जाता है। झारखंड की ताजा घटना में एक दंपति को पहले से तीन बेटियां थीं। सामाजिक स्तर पर मौजूद रूढ़ियों से संचालित धारणा के मुताबिक उस दंपति को एक बेटे की जरूरत थी। यानी तीन बेटियां उसकी नजर में इतना महत्त्व नहीं रखती थीं कि उसके बेटे की भूख की भरपाई हो सके। इसलिए उसने ऐसी सौदेबाजी कराने वाले दलालों के जरिए किसी अन्य महिला से उसका नवजात बेटा खरीद लिया। यानी मन में बेटा नहीं होने के अभाव से उपजे हीनताबोध और कुंठा की भरपाई के लिए कोई व्यक्ति पैसे के दम पर गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं हिचकता। इसके अलावा, मानव तस्करी करने वाले गिरोह दूरदराज के इलाकों में और खासतौर पर गरीबी की पीड़ा झेल रहे लोगों के बीच अपने दलालों के जरिए बच्चा खरीदने के अपराध में लगे रहते हैं। झारखंड, ओड़ीशा जैसे राज्यों के गरीब इलाकों में ऐसे तमाम लोग होते हैं, जिन्हें महज जिंदा रहने के लिए तमाम जद्दोजहद से गुजरना पड़ता है। सतह पर दिखने वाली अर्थव्यवस्था की चमक की मामूली रोशनी भी उन तक नहीं पहुंच पाती है। मानव तस्कर ऐसे ही अभाव से गुजरते लोगों को निशाना बनाते हैं, जहां वे मामूली रकम देकर बच्चा हासिल करके उसे पैसे वाले परिवारों या फिर अंगों का कारोबार करने वालों को ऊंची कीमत पर बेच देते हैं या भीख मांगने या देह व्यापार की त्रासदी में झोंक देते हैं। सवाल है कि कोई परिवार अगर अपने अभाव और लाचारी की हालत में मानव तस्करों या अन्य दलालों के जाल में फंस कर बच्चा बेचने की नौबत तक पहुंचता है, तो उसकी इस हालत के लिए कौन जिम्मेदार है? मानव तस्करी में लगे आपराधिक गिरोह अगर आसानी से यह सब कर पाते हैं, तो उन पर काबू पाने की जिम्मेदारी किसकी है?

महावीर के जन्मोत्सव पर ढोल बाजाओ गली-गली

भगवान महावीर के संदेशों में मुख्यरूप से अहिंसा परमो धर्मः एवं जिओ और जीने दो मुख्य है जो व्यवहार हम अपने लिए नहीं चाहते हमें दूसरों के लिए भी नहीं करना चाहिए। किसी के मन को दुखी करना भी भगवान महावीर ने हिंसा कहा है। सारे विश्व में यदि शांति की स्थापना की जा सकती है तो वह अहिंसा से ही की जा सकती है।

शाबाश इंडिया

वर्तमान युग में भगवान महावीर के अस्तित्व को जैन धर्म ही नहीं अपितु सारा विश्व स्वीकार करता है। भगवान महावीर की अहिंसा जन-जन के लिए है। क्योंकि जैन धर्म सूक्ष्म से सूक्ष्म हिंसा का विरोध करता है। अहिंसा परमोधर्म सर्व व्यापी संदेश है। जो कि प्राणी मात्र के लिए एक रक्षाकवच का कार्य करता है। जिसने अहिंसा का पालन किया वह जैन है। इसी लिए कहा है कि जैन जाति ना होकर के एक धर्म है। जिसने भी अहिंसा का पालन किया वह जैन है।

भगवान महावीर के संदेशों में मुख्यरूप से अहिंसा परमो धर्मः एवं जिओ और जीने दो मुख्य है जो व्यवहार हम अपने लिए नहीं चाहते हमें दूसरों के लिए भी नहीं करना चाहिए। किसी के मन को दुखी करना भी भगवान महावीर ने हिंसा कहा है। सारे विश्व में यदि शांति की स्थापना की जा सकती है तो वह अहिंसा से ही की जा सकती है। सभी धर्मों में इस बात को मुख्य रूप से स्वीकार किया है। अहिंसा के अवतार भगवान महावीर का आज 2618 वां जन्मकल्याणक सारा विश्व में निरामिश दिवस के रूप में मना रहा है। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य यही है कि हम अपने जीवन में व्यसनों का त्याग करके भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चल कर अपने जीवन को समुन्नत बनायें एवं एक सभ्य समाज का निर्माण करें जिससे भारत देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सके।

हम देखते है कि समाज में यदि परिवार के अंदर पुरूष किसी भी प्रकार का व्यसन करता है तो वह परिवार धीरे-धीरे विनाश की ओर चला जाता है। भगवान महावीर के इस जन्म दिवस पर हम सभी संकल्प ले कि हम अपने जीवन में अहिंसामयी धर्म को अपना कर अपना एवं अपने परिवार का कल्याण करेंगे। भगवान महावीर का जन्म आज से 2622 वर्ष पूर्व बिहार प्रांत के कुण्डलपुर ग्राम के महाराजा सिद्धार्थ की महारानी त्रिशला के गर्भ से नंद्यावर्त महल में हुआ था। उस समय धनकुबेर ने इंद्रों के साथ मिलकर प्रतिदिन 14 करोंड़ रत्नों की वृष्टि की थी, ऐसा शास्त्रों में उल्लेख है। क्षण भर के लिए नरकों में भी शांति का वातावरण छा गया। नेमीचंद सिद्धांत चक्रवर्ती ने प्रतिष्ठा तिलक ग्रथ में भगवान के जन्म कल्याणक का उल्लेख करते हुए लिख-

कल्पेषु घंटा भवनेषु शंखो,
ज्योतिर्विमानेषु च सिंहनादः।
दध्वान भेरी वनजालयेषु,
यज्जन्मनि ख्यात जिनः स एषः।।

ऋतुओं के फल-फूल वृक्षों पर एक साथ आ गये एवं तीनों लोकों में जितने वाद्ययंत्र है वे सभी बिना बजाये एक साथ बजने लगे ऐसा भगवान के जन्म का अतिशय है। आज वर्तमान युग में वह कुण्डलपुर नगरी वैभव हीन हो गई थी लेकिन जैन साध्वी भारतगौरव गणिनीप्रमुख श्री ज्ञानमती माताजी की प्रेरणा से पुनः कुण्डलपुर तीर्थ को भव्य रूप में विकसित किया गया। भगवान महावीर ने जिस महल में जन्म लिया था वह महल सोने का हुआ करता था किन्तु आज वर्तमान में उसकी प्रतिकृति कुण्डलपुर तीर्थ पर निर्मित की गई है। जिसमें भगवान महावीर के जीवन से संबंधित सभी घटनाओं को दशार्या गया है। नालंदा आज वर्तमान में विश्व प्रसिद्ध स्थान है। जहाँ पर अनेक देशों के लोग आते है

एवं कुण्डलपुर तीर्थ पर नंद्यावर्त महल में भगवान महावीर का दर्शन करके सुख-शांति और समृद्धि की कामना करते हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से यहाँ पर आने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक अध्यात्मिक ऊर्जा की अनुभूति करता है। भगवान महावीर की श्वेतवर्णी अवगाहना प्रमाण (सात हाथ) की प्रतिमा का दर्शन करके पलक झपकाना जैसे भूल जाता हो मनोहारी प्रतिमा वीतरागता एवं अहिंसा का संदेश इस नालंदा कुण्डलपुर की धरती से देता है। भगवान महावीर के पांचों कल्याणक से पवित्र बिहार की धरती आत्यात्मिक ऊर्जा को अपने ऑचल में समेटे हुए है। बुद्ध और महावीर की यह धरती आने वाले दर्शकों का मन मोह लेती है। भगवान महावीर का सात मंजिल का नंद्यावर्त महल मनोहारी कुण्डलपुर की धरती पर बना हुआ है। शास्त्रों में भगवान महावीर के जन्म का उल्लेख करते हुए लिखा है कि सारे विश्व में कुरीतियों को समाप्त करने के लिए भगवान महावीर का जन्म हुआ था उस समय यज्ञों में पशु एवं नर बली का प्रचलन बढ़ता जा रहा था। तब भगवान महावीर का अवतार इस धरती पर हुआ। इस संदर्भ में शास्त्रों में लिखा है कि

''जन्म चैत सित तेरस के दिन कुण्डलपुर, कन वरना
सुरगिरि सुरगुरू पूज रचायों, में पूजों भव-हरना नाथ
मोह राखो शरना''

भगवान महावीर का बाल्यकाल कुण्डलपुर की धरती पर बीता एक बार नंद्यातर्व महल में बालक वर्धमान पालने में झूल रहे थे तभी संजय-विजय नाम के दो महामुनि वहाँ पधारे जिन बालक को देखने मात्र से ही उनके मन में हो रही शंका का निवारण हो गया अतः अत्यंत प्रसन्नता से उन्होंने भगवान महावीर का नाम सन्मति रखा बालक वर्धमान इंद्र द्वारा अंगूठे के स्थापित अमृत को चूंसते हुए चंद्रमा की कलाओं के समान धीरे-धीरे वृद्धि को प्राप्त होने लगे। घुटने पर चल-चलकर अपनी तोतली बोली एवं बाल चेष्टाओं से परिवार का आनंदित करने लगे बालक वर्धमान एक बार अपने मित्रों के साथ नंद्यावर्त महल के बगीचे में खेल रहे थे तभी उनकी बहादुरी की परीक्षा लेने हेतु स्वर्ग से संगम नामक देव एक विशालकाय सर्प का रूप बनाकर वहाँ आया सभी बच्चे सर्प को देखकर इधर-उधर भागने लगे किन्तु बालक वर्धमान किंचित भी विचलित एवं मयभीत नहीं हुए उनकी महान वीरता का परिचय देखकर संगमदेव ने अपना असली रूप प्रकट कर बालक वर्धमान के बल एवं धैर्य की प्रशंसा करते हुए उनको महावीर नाम दिया धीरे-धीरे भगवान महावीर बड़े होने लगे उनके लिए सदैव स्वर्ग से भोजन, वस्त्र एवं आभूषण आते थे। उन्होंने कभी भी अपने घर का भोजन नहीं किया क्योंकि सभी तीर्थंकरों के लिए जैन शास्त्रों में यही नियम लिखा है कि वे स्वर्ग का दिव्य भोजन ही करते है। धीरे-धीरे महावीर युवा अवस्था को प्राप्त होने लगे माता-पिता ने एक स्वप्न सजोंया कि युवराज महावीर की सुन्दर सी दुल्हन लेकर के राज्य महलों में आयेगी लेकिन शायद होनी को कुछ और ही मंजूर था युवराज महावीर ने मुक्तिपथ को बरने की अर्थात जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण करने की इच्छा माता-पिता के सामने रखते है माता-पिता तो भगवान महावीर की बात सुनते ही स्तब्ध रह जाते है एवं कहने लगते है कि बेटा महलों में किस चीज की कमी है जो तुम घर छोड़कर के वनों में जाकर तपस्वी जीवन व्यतीत करना चहते हो लेकिन महावीर ने माता-पिता को समझाकर शांत किया एवं देवों द्वारा लाई हुई पालकी में बैठकर वन की ओर उन्मुख (चले गये) हो गये। 30 वर्ष ही भरपूर यौवन अवस्था में महावीर ने केशों का लोंच (बालों को हाथों से उखाड़ना) करके सम्पूर्ण राज्य वैभव वस्त्राभूषण त्यागकर के जैनेश्वरी दीक्षा ग्रहण की एवं 12 वर्षों तक कठोर तप करके केवलज्ञान की प्राप्ति की। बिहार प्रांत के जमुई ग्राम में ऋजुकूला नदी के तट से भगवान को ज्ञान की प्राप्ती हुई। तत्पश्चात स्वर्गों से इंद्रों ने आकर के भगवान का केवलज्ञान कलयाणक महोत्सव मनाया इसी श्रृखंला में राजगृही के विपुलाचल पर्वत पर श्रावण कृष्णा एकम के शुभदिन भगवान की प्रथम देशना (प्रवचन) हुई, जिसे सम्पूर्ण प्राणी मात्र ने अपनी अपनी भाषा में समझा एवं ग्रहण किया। भगवान के मुख्यरूप से 5 नामों का उल्लेख शास्त्रों में मिलता है वीर, वर्धमान, सन्मति, महावीर और अतिवीर ये पाँच नाम प्रसिद्ध हैं।

भगवान महावीर दीक्षा के पश्चात एक बार विहार करते हुए कौशाम्बी नगर की ओर पधारे जहाँ पर महासती चंदना जो कि कारागृह में बंद थी भगवान महावीर को आहार देने की तीव्र अभिलाषा मन में जागृत हुई इतना मन में चिंतन करते ही सती चंदना की बेड़ियाँ टूट गई वस्त्राभूषण सुन्दर हो गये एवं भक्ति पूर्वक भगवान का पड़गाहन कर आहार दिया। इस उपलक्ष्य में स्वर्गों से पंचाश्चर्य की वृष्टि हुई। भगवान महावीर की देशना सारे देश में घूम घूम करके अहिंसा धर्म का उपदेश दिया। प्राणी मात्र को जियो और जीने दो की बात बताई भगवान का मुख्य संदेश था की प्राणी मात्र पर दया का भाव रखो जीवों की हिंसा में धर्म नही है। धर्म हमेशा सुख और शांति का संदेश देता है। आज वर्तमान में भगवान महावीर के संदेशों की अत्याधिक आवश्यकता है।

जैन श्रद्वालु प्रातःकाल भगवान की जय-जय कारों के साथ प्रभातफेरी नगर में घुमाते है एवं भगवान महावीर स्वामी के जीवन से संबंधित संगोष्ठी का आयोजन करते हुए समस्त महिला संगठन भवगान महावीर के जीवन से संबंधित नृत्य नाटिका एवं जीवन चरित्र का नृत्य नाटिका के माध्यम से मंचन करते हैं एवं नगर में भगवान महावीर महावीर की प्रतिमा को रथ पर विराजमान करके भव्य शोभा यात्रा का आयोजन करते हैं। शोभा यात्रा में प्रत्येक महिला एवं पुरूष सफेद व केशरिया वस्त्र पहनकर पंतिबद्ध होकर महिलाएं मंगल कलश लेकर चलती है। इस अवसर पर समस्त नगर में मिष्ठान का वितरण भी किया जाता है। महावीर जयंती का मुख्य उद्देश्य जीवन में सदाचार, शाकाहार को अपनाना है इसी के साथ भगवान महावीर का जन्म कल्याणक आप सभी के लिए मंगलमय हो।

विजय कुमार जैन
मंत्री-कुण्डलपुर समिति
राष्ट्रीय महामंत्री
भगवान ऋषभदेव जैन विद्वत महासंघ

राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत ने फ्लीका इंडिया को 'राजीव गांधी इनोवेशन अवार्ड' से सम्मानित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

टायर प्रबंधन और टीपीएमएस स्टार्टअप कंपनी, फ्लीका इंडिया ने अपनी मूल नगरी राजस्थान में 'राजीव गांधी इनोवेशन अवार्ड' जीता। राजस्थान सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग (डीओआईटी एंड सी) ने राजीव गांधी इनोवेशन अवार्ड समारोह को आयोजित किया था। सभी नवाचारी स्टार्टअपों में से, फ्लीका इंडिया राज्य के स्टार्टअप इकोसिस्टम में सबसे शीर्ष नवाचारी व्यापार विचार उत्पन्न करने वाले कंपनी के रूप में उभरा व चुना गया। फ्लीका इंडिया के संस्थापक और मैनेजिंग डायरेक्टर टीकम जैन को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा प्रथम पुरस्कार ट्रॉफी और 75 लाख रुपये के अनुदान से सम्मानित किया गया। पुरस्कार जीतने पर फ्लीका इंडिया के संस्थापक और एमडी टीकम जैन ने कहा, ''जब आपको घरेलू मैदान में पुरस्कार मिलते हैं तो यह आपको राज्य के विकास में योगदान करने के लिए और अधिक प्रेरित करता है। यह जीत फ्लीका इंडिया की पूरी टीम के लिए बहुत मायने रखती है और मैं उन सभी समर्थकों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जो शुरूआत से ही मेरे साथ बने रहे। मैं भविष्य में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के लिए राजस्थान का प्रतिनिधित्व करता रहूँगा।'' फ़्लीका इंडिया बी-टू-बी हेवी व्हीकल्स सेगमेंट में एक टायर मैनेजमेंट कंपनी है जो फ्लीट ऑपरेटरों को उनके ट्रकों के टायरों के तकनीकी प्रबंधन के माध्यम से सशक्त बनाती है। देश के प्रमुख राजमार्गों पर 1500+ फ्लीका सेंटर्स द्वारा ट्रकों व टायर मैनेजमेंट में फ़्लीका इंडिया लॉजिस्टिक उद्योग को भी बल प्रदान करता है। फ्लीका इंडिया को ब्रिजस्टोन इंडिया द्वारा फंडिंग और अन्य समर्थन मिला है। यह स्टार्टअप कंपनी देश में टायर की जांच, रखरखाव और निगरानी सहित टायर प्रबंधन क्षेत्र में क्रांति लाना चाहती है।

जितेंद्र जैन शिक्षक बने जैन मिलन सैंट्रल के अध्यक्ष

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

जैन मिलन सेंट्रल के सत्र 2023-24 के लिये वीर जितेंद्र जैन 'शिक्षक' को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। अध्यक्ष सचिन बारी एवं मंत्री अजित जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि गत दिवस वर्धमान धर्मशाला में आयोजित विशेष निर्वाचन सभा का प्रारम्भ महावीर प्रार्थना से हुआ। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर सुभाष जैन कैंची

को निर्वाचन अधिकारी बनाया गया। उनके द्धारा सम्पन्न निर्वाचन प्रक्रिया में सत्र 2023-24 के लिए वीर जितेंद्र जैन 'शिक्षक' को जैन मिलन सेंट्रल का निर्विरोध अध्यक्ष घोषित किया। सभा में उपस्थित सदस्यों ने उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आपके कुशल नेतृत्व में संस्था निरंतर उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर होगी। आप एवं आपके द्वारा गठित ऊजार्वान टीम जैन मिलन सेंट्रल को नई ऊंचाईयां प्रदान करेंगी एवं भारतीय जैन मिलन आंदोलन की प्रगति में अग्रणी रहेगी ।राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री महेंद्र जैन कडेसरा एवं आनंद गांधी, राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद छाया,राजेश तारई,संजय चौधरी, डॉ. पारस जैन, वीरेंद्र अथाई खेड़ा, मनीष जैन, रोहित जैन, सुनील जैन, राकेश जैन, जिनेश लालू, विपिन बाँझल, नीरज जैन, संजय जैन आदि ने नव निर्वाचित अध्यक्ष जितेंद्र जैन को बधाई देते हुए पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।

सनशाइन ब्यावर के अध्यक्ष अरुण रूणीवाल को समस्त भारत में सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष के अवार्ड से नवाजा गया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा मुंबई में आयोजित अवार्ड समारोह में जैन सोशल ग्रुप सनशाइन, ब्यावर के अध्यक्ष अरुण रूणीवाल को समस्त भारत में सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष के अवार्ड से नवाजा गया। अवार्ड कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील सिंगी सदस्य अल्पसंख्यक आयोग भारत सरकार एवम ललित शाह इंटरनेशनल प्रेसिडेंट ने की। सहसचिव प्रतीक खटोड़ ने बताया कि अरुण रूणीवाल को 2 साल के कार्यकाल में किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्य, कोरोना वैक्सिनेशन कैंप, लम्पी रोग में दी गई सेवा और विभिन्न सेवा कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष अवार्ड से नवाजा गया। ग्रुप लगातार पिछले पांच वर्षों से विभिन्न केटेगरी में सर्वश्रेष्ठ अवार्ड से नवाजा गया हैं।गत 15 अगस्त को भी संस्था को उपखण्ड एवं नगर परिषद प्रशासन द्वारा मिशन ग्राउंड पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में भी सम्मानित किया गया था। सनशाइन के सभी सदस्यों ने अध्यक्ष अरुण रूणीवाल का ट्रॉफी के साथ ढोल नगाड़ों के साथ माला पहनाकर रांका जी बगीची में भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में नॉर्दर्न रीजन के उपाध्यक्ष पंकज जैन, सनशाइन फाउंडर अध्यक्ष वैभव सखलेचा, पूर्व अध्यक्ष मनीष मेहता, विक्रम

सांखला, रूपेश कोठारी, महेंद्र नाहटा, महेंद्र नाहर, संदीप लोढ़ा, मनीष रांका, रजत श्रीश्रीमाल, अमित गोधा ,मनीष सोनी, नीरज बुरड़, अशोक श्रीश्रीमाल, राहुल ओस्तवाल, मोहित जैन, नरेंद्र सुराना, दिलीप बाफना, महावीर आबड आदि सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष रूणीवाल ने आगामी कार्यकारिणी का स्वागत करते हुए उन्हें आगामी कायार्काल हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की एवं पधारे सभी सदस्यों एवं मेहमानों को धन्यवाद दिया।

सोजत सिटी शहर मे धूमधाम से निकला गया आंयबिल ओली की तपस्या करने वालो का वरघोड़ा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

धूमधाम से निकाला आयंबिल ओलीजी की तपस्या करने वाले तपस्वियों का शहर मे वरघोड़ा । श्री मरूधर केसरी गुरूसेवा समिति के प्रवक्ता विकास धोका ने जानकारी देते हुये बताया कि श्री मरूधर केसरी गुरूसेवा समिति मे विराजमान प्रवर्तक सुकन मुनि,उपप्रवर्तक अमृत मुनि,युवाप्रणेता महेश मुनि,बालयोगी अखिलेश मुनि,डॉ.वरूण मुनि,पंडित रत्न रितेश मुनि आदि मुनियों एवं उपप्रवर्तिनी महासती मैनाकंवर , डॉक्टर सुशील,महासती इन्दुप्रभा,डॉ चेतनाडॉ दर्शनप्रभा आदि ठाणा के पावन सानिध्य मे 29 मार्च से 6 अप्रेल तक नव दिवसीय आंयबिल ओली की तपस्या मरूधर केसरी गुरू सेवा समिति के प्रागंण मे विकास धोका ने जानकारी देते हुये बताया कि मगराजजी धोका की स्मृति मे आंयबिल ओली ऐतिहासिक रूप से मनाई जा रही है, उसके अंर्तगत कोट का मोहल्ला जैन स्थानक से आर्यबिल ओली की तपस्या करने वालो का सामूहिक रूप से धोका परिवार द्वारा बैंड बाजों के साथ शहर के मुख्य बाजार मे वरघोड़ा निकाला गया । जिसमे देश भर से पधारे आंयबिल ओली तप की तपस्या करने वाले सैकड़ों भाई बहनो का केवलचन्द धोका, प्रकाश चन्द धोका,कस्तूरचन्द धोका, पदमचन्द धोका, अशोक धोका, महेन्द्र धोका, शांतिलाल धोका, विकास धोका, सिरपाल धोका और जैन श्रावक संघ के अध्यक्ष ललित पंगारिया,राजेश कोरिमूथा, सुरेश बलाई, बाबुलाल बोहरा, कैलाश अखावत,कमल अखावत,संजय संचेती, विनोद लोढ़ा आदि गणमान्य श्रावको और नगर पालिका चैयरमैन जुगल किशोर निकुम ने सभी तपस्वीयो की सामूहिक रूप से अगवानी करते हुये गुरूसेवा परिसर मे सभी के साथ बहुमान किया गया ।

इंदौर में 2 अप्रैल को रक्तदान शिविर महावीर महिला मंडल द्वारा उदासीन आश्रम में

महापौर करेंगे उद्घाटन

इंदौर. शाबाश इंडिया। सर्वविदित है कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। पुण्य करने से सुकून मिलता है। जीवन में सदैव मानव सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है इसलिए मनुष्य को अपनी शक्ति का उपयोग मानव सेवा करते हुए जीवन व्यतीत करना चाहिए। जो व्यक्ति मानव सेवा में लीन रहते हैं वे मनुष्य सदैव बुराईयों से दूर रहते हैं। जिसके कारण उन्हें मानव सेवा करने पर अत्यन्त खुशी महसूस होती है। मनुष्य द्वारा किया गया कर्म ही उसका भाग्य विधाता होता है अच्छे कर्मों से ही अच्छे भविष्य का निर्माण होता है। उसी भावनाओं को प्रतिपादित करते हुए आगामी माह के रविवार 02 अप्रैल 2023 का दिन इंदौर जैन समाज के लिए सुखद होने जा रहा है बहुत अच्छा प्रसंग आ रहा है कि हमारे आराध्य अंतिम तीर्थंकर भगवान श्री 1008 महावीर स्वामी जन्म कल्याणक पर्व महोत्सव के शुभ अवसर पर इंदौर के श्री दिगंबर जैन उदासीन आश्रम ट्रस्ट और महावीर महिला मंडल एवं वर्धमान बहुत मंडल के संयुक्त तत्वावधान में मानव सेवा को समर्पित दान के महत्व को आगे बढ़ाते हुए सबसे बड़े दान रक्तदान बहुत सारा पुण्य। हम में से प्रत्येक व्यक्ति जिंदगी में कभी न कभी ऐसी स्थिति से अवश्य गुजरा है जब उसके किसी प्रिय व्यक्ति अथवा परिचित को रक्त की सख्त आवश्यकता पड़ी हो और बड़ी ही परेशानी के बाद व्यवस्था हुई हो। प्रत्येक मानव शरीर मे भरपूर रक्त होते हुए भी मौके पर रक्त न मिलने की एक मात्र वजह रक्तदान के संबंध में फैली हुई भ्रांतियां एवं डर है। यह तो आप जानते है कि तमाम वैज्ञानिक अनुसंधानो के बावजूद भी इंसान रक्त का निर्माण व विकल्प नही ढूंढ पाया, ऐसी स्थिति में रक्तदान ही इस कमी को पूरा करने का एक मात्र उपाय है।

रक्तदान जीवन दान

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें:-डॉ. श्रेया सेठी 9960915630 अंकिता जैन 8962868210

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

निडरता :- "सकारात्मक सोंचे, नकारात्मक नहीं"

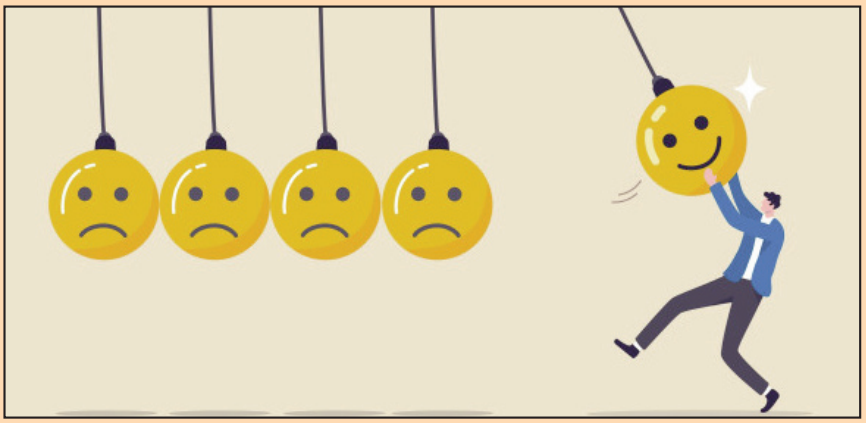

हम सभी अपने जीवन में कई तरह की मुसीबतों का सामना करते हैं, हम महसूस करते हैं कि बच्चा होना ही बेहतर था मगर क्या आप जानते हैं, बच्चे भी संघर्ष करते हैं, वे संघर्ष करते हैं अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए, जब वे रोना सीखते हैं उसके लिए संघर्ष करते हैं, नयी नयी चीजों को सीखने के लिए संघर्ष करते हैं, आदि। इसी तरह से, हम सभी किसी ना किसी तरह की समस्याओं से जूझते हैं। हममे से कुछ अपने काम से जूझते हैं जबकि कई अपने संबंधों के साथ। संघर्ष करने का यह मतलब नहीं है कि हम उससे उबर नहीं सकते या अपनी मुश्किलों के प्रति साहसिक नहीं हो सकते। हमारा संघर्ष ही हमें मजबूत बनाता है और हमारे जीवन में आने वाली तमाम समस्याओं से जूझने में सार्थक बनाता है। हम सभी परेशानियों का सामना करते हैं लेकिन यहाँ पर केवल कुछ ही होते हैं जो इसे दिखाते हैं या इस बारे में बात करते हैं। आजकल हर किसी के साथ अपनी भावनाओं को साझा नहीं करना ही ज्यादा अच्छा है, कुछ अच्छे लोगों का साथ रखें जो आपकी परवाह करते हों, और आपको समझते हों। आजकल लोग दूसरों की भावनाओं और परेशानियों का मजाक उड़ाते हैं और ये हमें हमारी समस्या से भी ज्यादा चिंतित करने वाली बात है। इसलिए यह सीख लेना ज्यादा बेहतर होगा कि आप अपनी भावनाओं को कैसे नियंत्रित करते हैं और किस साहसिक तरीके से मुश्किल समय में व्यवहार करते हैं। हर परिस्थिति में सकारात्मक रहना चाहिए यह सिद्ध हो चुका है कि, जब हम सकारात्मक सोचना शुरू करते हैं, हमारे चारो तरफ स्वतः ही सकारात्मक शक्तियां आने लगती हैं। इसलिए कभी किसी को किसी भी तरह की परिस्थिति के लिए नहीं डरना नहीं चाहिए। हमेशा खुद पर भरोसा करें क्योंकि ये सिर्फ आप ही होते हैं जो अपनी समस्याओं से साहसिक तरह से जूझ सकते हैं। कभी कभी हमारा मन हमारी समस्याओं को और भी ज्यादा बढ़ा देता है और हम असुरक्षित और भयभीत महसूस करने लगते हैं। हमेशा अपनी समस्या का विश्लेषण करें और सभी संभावनाओं के बारे में सोचें। किसी भी कार्य में असफल होने पर आत्महत्या जैसे विचार को मन में नहीं लाना चाहिए हमेशा आत्मविश्वासी बनना चाहिए। जब आप कमजोर महसूस करते हैं, तो आप खुद को अकेला, बिखरा हुआ और भयभीत महसूस करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी अपने आसपास के बदलावों के बारे में सोचा है। मान लीजिए कि आप अपनी परीक्षा में असफल हो गए और आप इसके बारे में दुखी हैं, तो क्या आपने सांस लेना बंद कर दिया है? या आपके आसपास का वातावरण आपके प्रति क्रूर हो गया है। असल में, यह आपके भीतर के विचार हैं जो फर्क पैदा करते हैं। यदि आप खुद को कमजोर महसूस करना शुरू कर देंते हैं और सभी नकारात्मक चीजों को नोटिस करेंगे, तो यह स्वचालित रूप से आपको प्रभावित करेगा। इसलिए किसी तरह की शारीरिक क्रियाओं को दिखाने के बजाय काम करें और अगली बार सफलता प्राप्त करें। हम सभी के साथ कोई न कोई घटना होती ही है मगर इससे घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि परिस्थितियां हमेशा एक सामान नहीं रहती है। वे बदलती हैं और हम अच्छे दिनों का भी आनंद लेते हैं जब हमारे बुरे दिन बीत जाते हैं। इस संसार को बहुत ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए क्योंकि चीजें हमेशा बदलती रहती है। इसलिए, उठो, मुस्कुराओ, और समस्याओं को अपने जीवन का हिस्सा मान कर उन्हें अपनाओ। आपने जन्म लिया है और एक दिन मृत्यु भी होगी, न तो आप कुछ लेकर पैदा हुए थे और न ही कुछ लेकर जायेंगे। सभी भावनाएं, संबंध, संपत्ति, धन सांसारिक चीजें हैं, इसलिए किसी भी चीज की चिंता करना बंद करें और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। जब हम दुखी होते हैं, तो हम लोगों को गलत तरीके से संबोधित कर सकते हैं, इसलिए कभी किसी से गलत न बोलें और अपने कामों पर ध्यान केंद्रित करें। जीवन सुंदर है और आप फिर से पैदा नहीं होंगे, इसलिए दूसरों को कुछ दान करने में मदद करें और सभी के लिए अच्छे शब्द बोलें। नकारात्मक प्रभाव कम करे सकारात्मकता की ओर बढ़े।

पूजा गुप्ताः मिर्जापुर (उत्तर प्रदेश)

एक सराहनीय अनूठा प्रयास

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। दिगम्बर जैन सामाजिक संसद महिला प्रकोष्ठ द्वारा मानव सेवा के क्षेत्र में बढ़ते कदम। 3 अप्रैल भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव में कॉच मंदिर से निकलने वाली श्री जी की स्वर्ण रथ शोभा यात्रा में महिला प्रकोष्ठ द्वारा वृद्व ,व चलने में असमर्थ समाज बंधुओं की जुलुस में शामिल होने की भावनाओं का सम्मान करते हुए, ई रिक्शा चलाने का निर्णय महिला प्रकोष्ठ ने लिया है। एक रिक्शे मे चार लोग बैठ सकते हैं। ऐसे दो - दो की लाइन मे 16 रिक्शा चलाये जायेंगे संख्या ज्यादा होने पर रिक्शे की संख्या बढ़ायी जा सकती है रिक्शे पर स्लोगन झंडे बैनर, और हर रिक्शे मे पानी की व्यवस्था भी रहेगी । महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष संगीत जैन काला को सामाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल फेडरेशन के अध्यक्ष राकेश विनायका, राजेश जैन दद्दू ने आप के इस प्रयास की सारहना की और बधाई दी

महावीर जयंती की तैयारियों में जुटा समाज

जयपुर. शाबाश इंडिया। समग्र जैन समाज की ओर से राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में सोमवार 3 अप्रैल को महावीर जयंती समारोह मनाया जा रहा है। समारोह के दिन एक भव्य शोभा यात्रा प्रातः 7 बजे महावीर पार्क से रवाना होकर शहर के मुख्य बाजारों से होती हुई रामलीला मैदान पर धर्म सभा में परिवर्तित होगी। शोभा यात्रा के मुख्य सयोंजक राकेश छाबड़ा ने बताया कि शोभा यात्रा में निकाली जाने वाली झांकियों के लिए समाज में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। झांकियों में भगवान महावीर के संदेश, जैन संदेशों पर तथा समाज को संदेश देने वाली होंगी। महावीर जयंती की तैयारियों को लेकर समाज के सभी मंदिर समिति , महिला मंडल, युवा मंडल, जैन सोशल ग्रुप, की मीटिंग आयोजित हो चुकी है। शोभा यात्रा में समाज की सभी शिक्षण संस्थाओं के छात्र - छात्राए, महिला मंडल, भजन मंडलियां, शहर के प्रमुख बैंड शामिल होंगे।

क्षेत्र के लोगों की स्किल डेवलपमेंट के लिए प्रबंध कारिणी कमेटी करेगी कार्य

वार्षिक मेले के अवसर पर प्रेस वार्ता में बोले अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल

चंद्रेश जैन. शाबाश इंडिया

श्री महावीरजी कश्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में 1 अप्रैल से 8 अप्रैल के मध्य आयोजित होने वाले भगवान महावीर के वार्षिक मेले की तैयारियों को लेकर बुधवार को प्रबंध कारण कमेटी अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रेस वार्ता में वार्षिक मेले की तैयारियों के साथ-साथ प्रबंध कारिणी कमेटी की ओर से क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की भी जानकारी दी। राजस्थान पत्रिका की ओर से क्षेत्र की गंभीर नदी में प्रदूषण और गंदगी के मामले में प्रकाशित खबरों का असर हुआ है जिसके कारण गंभीर नदी में बढ़ती गंदगी के मामले में प्रबंध कारिणी कमेटी के अध्यक्ष ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि गंभीर नदी में गंदगी डालने से बड़ा अपराध कोई नहीं हो सकता लेकिन क्षेत्र की मजबूरी है के क्षेत्र में कचरा निस्तारण प्लांट शुरू नहीं होने के कारण लोग गंभीर नदी में कचरा उड़ेल रहे हैं । क्षेत्र के स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए प्रबंध कारिणी कमेटी की ओर से कचरा निस्तारण केंद्र को क्षेत्र की भूमि को आवंटित कराने का भी प्रयास किया एक भूमि चयन हो जाने के बाद भी अभी तक कचरा निस्तारण केंद्र का काम अटका हुआ है। क्षेत्र के लोगों को स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में सहयोग करने के उद्देश्य से प्रबंध कारिणी कमेटी की ओर से ऐसे प्रयास किए जाएंगे जिससे कि क्षेत्र के लोगों की स्किल डेवलपमेंट हो सके जो अच्छे रोजगार के काबिल बन सके और जिससे रोजगार के साधन उपलब्ध हो सके इस क्षेत्र में प्रबंध कारण कमेटी आगामी महीनों में कार्य शुरू करेगी क्षेत्र के गाँवो में रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी मंदिर प्रबंध कारिणी कमेटी की ओर से प्रयास किए जाएंगे।

तहसीलदार सुष्टि जैन ने मनसा माता के किए दर्शन, लिया मेले का जायजा

शाबाश इंडिया/अमन जैन कोटखावदा

कोटखावदा/कस्बे के निकटवर्ती रूपाहेड़ी कलां में बुधवार दुर्गा अष्टमी को पहाड़ी पर विराजमान मनसा माता के मंदिर में पहुंचकर कोटखावदा तहसीलदार सुष्टि जैन ने दर्शन किए। इस दौरान जैन ने माता से देश की खुशहाली की कामना की तहसीलदार ने मनसा माता मंदिर में चल रहे विशाल मेले का जायजा भी लिया इस अवसर पर तहसील परिवार एवं रूपाहेडी कलां के सरपंच सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्वस्थ रहने का राज नियमित योग, 87 वर्ष की उम्र में भी सिखा रहे योग

योग प्रशिक्षक सत्यनारायण आर्य का प्राकृतिक कुल्हड़ ग्रुप ने किया सम्मान

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। उम्र की परवाह किए बिना नियमित घंटों योगाभ्यास करने वाले एवं हजारों बच्चों को योग सीखा चुके 87 वर्षीय सत्यनारायण आर्य का बुधवार को प्राकृतिक कुल्हड़ ग्रुप कार्यालय पर स्वागत किया गया। उन्हें उपरना ओढ़ा व पगड़ी पहनाकर योग गुरू बाबा रामदेवजी की तस्वीर भेंट की गई। भीलवाड़ा निवासी श्री आर्य अब तक 2 हजार से अधिक स्कूलों में योग प्रशिक्षण प्रदान कर चुके है एवं अब भी कई स्कूलों में पहुंच एक घंटे योग सिखाते है। पिछले तीन दशक से अधिक समय से नियमित योगाभ्यास करने वाले श्री आर्य मानते है कि योग के कारण ही आज 87 वर्ष की उम्र में भी वह पूरी तरह स्वस्थ है। लोग जब उन्हें 100 साल जीने की दुआ देते है तो वह पूरे आत्मविश्वास से बोलते है कि इस योग की कृपा से वह 100 नहीं 125 वर्ष तक जीएंगे।

दुर्गापुरा में हुआ भक्तामर का पाठ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल त्रिशला सम्भाग के द्वाराभगवान आदिनाथ से महावीर जयंती तक घर घर मंगलाचार कार्यक्रम के अंतर्गत 29 मार्च को दुर्गापुरा में राजेन्द्र काला के यहाँ णमोकर भक्तामर का पाठ किया गया। त्रिशला सम्भाग ग्रुप की अध्यक्ष श्रीमती चन्दा सेठी सचिव रेणु पांड्या ने बताया दुर्गापुरा मन्दिर के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड़ ए०महिला मंडल कि अध्यक्ष रेखा जी लुहाड़िया और दुर्गापुरा जैन समाज के सभी श्रेस्ठी परिवार जन ने हर्सोल्लास के साथ इस कार्यक्रम का आनन्द लिया।

दुनियां में सुख-दुख कर्मों के अनुसार ही मिलते हैं- आर्यिका स्वस्तिभूषण

ग्वालियर में गुरुमां के सान्निध्य में मनेगा महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

ग्वालियर। इस सृष्टि को की रचना किसने की, इस सृष्टि को कौन चला रहा है ? जन्म मरण की व्यवस्था कौन कर रहा है? पहाड़ों से नदियां निकलती हैं, पहाड़ों में पानी कहां से आ रहा है? छोटा बड़ा कौन बनाता है? किसी को राजा बना दिया, किसी को रंक बना दिया । ये सब कौन कर रहा है? कौन कर्म करवा रहा है, कौन कर्म का फल दे रहा है? बड़ी गजब की व्यवस्था है।लोग कहते हैं कि सृष्टि की रचना भगवान ने की है । नहीं, सृष्टि की रचना किसी ने नहीं की, यह तो अनादि अनिधन है । उक्त विचार जैन साध्वी गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने चम्पाबाग धर्मशाला ग्वालियर में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। पूज्य गणिनी आर्यिका श्री स्वस्तिभूषण माताजी ने सृष्टि की रचना के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि किसी ने ठीक ही कहा है कि ये दुनिया और बनाके फिर चलाना बस यही काम है, बड़ा जबरदस्त उसका इंतजाम है।

जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी साउथ चेप्टर की थाईलैंड की यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी साउथ चेप्टर की थाईलैंड यात्रा संपन्न हुई ।इंजीनियर पी सी छाबड़ा ने बताया कि दिनांक 20 मार्च 2023को जयपुर से रवाना होकर फुकेट (थाईलैंड) पहुचे , 21को पेन्टेशिया शो का आनन्द उठाया दिनांक 22 को फुकेट का भ्रमण किया तथा बुर्जी से 2घंटे की शानदार समुन्दर की यात्रा कर एक नये दीप पर पहुंचे वहां से प्रातः बैंकाक हवाई जहाज से पहुंचे और वहां से शानदार कार द्वारा 2 रात्रि के लिए पटाया पहुंचे। रात्रि में पटाया का शानदार शो सभी ने देखा विश्राम करके सांयकाल पटाया बीच पर धुमते हुए वहां की संस्कृति का नजदीकी से समझा और आनन्दीत हुए अगले दिन बैंकाक जाने के लिए रवाना हुए तथा सफारी वर्ल्ड का आनंद लेते हुए लंच करके बनमआनउशओ, जानवरों, आदमियों, जंगल मे शेर चित्तो पक्षी हिरन व कई तरह के पक्षी पक्षियों की अठखेलियां देखते हुए आनन्दीत होते हुए । बैंकाक पहुंचे। बैंकाक के शहर का भ्रमण करके वहां के बीचों, बुद्ध मन्दिरों, गोल्डन मन्दिर रइकलआईन बुद्ध, के दर्शन किए महलों व अन्य मन्दिरों के साथ ही वहां के जैन मन्दिर के दर्शन किए। बैंकाक के दुसरे अन्तर्राष्ट्रीय स्वर्णिम हवाई अड्डे से जयपुर के लिए रात्रि 10.30बजे रवाना होकर 28की रात्रि 2बजे जयपुर हवाई अड्डे पर पहुंचे। 23 यात्रियो का दल हंसी खुशी से आनंदित होकर जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इन्जी पीसी छाबड़ा जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी साउथ चेप्टर के नेतृत्व में सुविधाजनक हंसी खुशी से यात्रा पूर्ण की। बैंकाक की संस्कृति को बड़ी नजदीकी से समझा और देखा । सभी जगह भारतीय यात्री काफी संख्या में मिले और आपस मे प्रसन्नित होकर सभी ने अपना पन महसूस किया। सभी जगह

जैन भोजन व भारतीय दुकानदार मिले इसमें मुख्यतया पीसी छाबड़ा- तिलक मती जैन, विनोद- इन्दु बाला तोतूका, रवि- त्रिशला मेहता, कैसी -आशा जैन, आर के बगड़ा, डाःविनोद - प्रमिला जैन, वीके- नीलम जैन, अश्वनी -अन्जू अग्रवाल, उमा भंसाली, प्रेम सुधा कोठारी, डाःबीएल -शशिकला शर्मा, मनोहर लता कासलीवाल, वीनू गंगवाल, जीडी- पुष्पा गर्ग। प्रत्येक सुबह णमोकार मंत्र व अन्य मंत्रोच्चार के साथ यात्रा प्रारंभ कर सायं आरती से समाप्त करके आवश्यकता अनुसार जैन भोजन के साथ दिन में भोजन व्यवस्था भी रखी गई थी।